रात सुहानी दिन पावन होगा | By Hari Sharma |

रात सुहानी दिन पावन होगा
मधुबन जैसा मेरा आंगन होगा

देगा दर्शन का मन भावन होगा
रात सुहानी दिन पावन होगा
मधुबन जैसा मेरा आंगन होगा

बैठा हूँ मैं आस लगाए कब आए
आए कन्हा नैनों की प्यास बुझाए
दर्शन नयन सुहावन होगा
मधुबन जैसा मेरा आंगन होगा

मुरली की तान सुन दौड़ी-दौड़ी आए
सुध-बुध खोए राधा होश गंवाए
रूप कन्हैया का लुभावन होगा
मधुबन जैसा मेरा आंगन होगा

गोपियाँ नाचें संग राधा रानी नाचें
रस भरी मुरली कन्हा की बाजे
तिकम मन वृंदावन होगा
मधुबन जैसा मेरा आंगन होगा

देगा दर्शन का मन भावन होगा
रात सुहानी दिन पावन होगा
मधुबन जैसा मेरा आंगन होगा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%a4-%e0%a4%b8%e0%a5%81%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%80-%e0%a4%a6%e0%a4%bf%e0%a4%a8-%e0%a4%aa%e0%a4%be%e0%a4%b5%e0%a4%a8-%e0%a4%b9%e0%a5%8b%e0%a4%97%e0%a4%be-by-hari-sharm/